

ਸੀ.ਆਈ.ਐਸ.ਟ੍ਰ. ਕੇ ਡਾ. ਵਿਜਯ ਕਾ ਹੁਆ ਡਿਜਾਇਨ ਪੈਟੈਂਟ

ਜੰਦ, 15 ਅਕਤੂਬਰ (ਲਲਿਤ) : ਚੌਥੀ ਰਣਬੀਰ ਸਿੰਹ ਵਿਖਵਿਦਾਲਾਯ ਜੰਦ ਕੇ ਅਰਥਸ਼ਾਸ਼ਤ੍ਰ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰਾਧਿਕਾਰਕ ਡਾ. ਵਿਜਯ ਕੁਮਾਰ ਦਾ ਇੱਕ ਡਿਜਾਇਨ ਪੈਟੈਂਟ ਹੁਆ ਹੈ। ਇਹ ਡਿਜਾਇਨ ਦੀ ਵਿਧੀ ਹੈ ਫਸਲ ਤੁਤਾਦਨ ਦੇ ਨਿਧਰਿਣ ਵਿੱਚ ਰੋਬੋਟ।

ਡਾ. ਵਿਜਯ ਕੁਮਾਰ ਨੇ ਬਤਾਯਾ ਕਿ ਇਸ ਮਸ਼ੀਨ ਦੀ ਕੰਪਨੀ ਸਾਈਂਸ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇ਷ਜ਼ਠ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਿੰਗ ਕਰਕੇ ਬਣਾਯਾ ਜਾ ਸਕਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਰੋਬੋਟ ਮਸ਼ੀਨ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦੇ ਫਸਲ ਦੀ ਲਾਗਤ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਤੁਤਾਦਨ ਦੀ ਬਢਾਵਾ ਜਾ ਸਕਤਾ ਹੈ। ਯਹ ਰੋਬੋਟ ਮਸ਼ੀਨ ਕਿਸਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਆਮਦਨੀਆਂ ਵਿੱਚ ਬਦਲਾਂ ਵਿੱਚ ਮਦਦਗਾਰ ਸਾਬਿਤ ਹੋ ਸਕਤੀ ਹੈ।

ਸ਼੍ਰੀ. ਸਿੰਘਾ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀ ਤੁਪਲਛਿਥੀ ਵਿਖਵਿਦਾਲਾਯ ਦੀ ਅਚਛੀ ਰੈਂਕਿੰਗ ਦਿਲਵਾਨੇ ਵਿੱਚ ਮਦਦਗਾਰ ਰਹੇਂਗੇ। ਸੋਸਾਲ ਸਾਈਂਸੇਜ ਦੀ ਡੀਨ ਅਤੇ ਅਰਥਸ਼ਾਸ਼ਤ੍ਰ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਵਿਭਾਗਾਧਿਕਾਰੀ ਡਾ. ਸੁਨੀਲ ਫੌਗਾਟ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਯਹ ਹਮਾਰੇ ਅਰਥਸ਼ਾਸ਼ਤ੍ਰ ਵਿਭਾਗ ਅਤੇ ਫੈਕਲਟੀ ਑ਫ ਸੋਸਾਲ ਸਾਈਂਸੇਜ ਦੀ ਲਿਏ ਗੈਰਕ ਦੀ ਬਾਤ ਹੈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਪਰ ਡਾ. ਵਿਸਾਲ ਵਰਮਾ, ਡਾ. ਨਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਜ਼ ਮੌਜੂਦ ਰਹੇ।

सीआरएसयू के डा. विजय कुमार का डिजाइन पेटेंट, किया सम्मानित



डिजाइन पेटेंट होने पर डा. विजय कुमार को सम्मानित करते वीसी डा. रणपाल। ● सौ. विवि

जागरण संवाददाता, जीट : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राच्यापक डा. विजय कुमार का एक डिजाइन पेटेंट हुआ है। डिजाइन का विषय है फसल उत्पादन के निधारण में रोबोट।

डा. विजय कुमार ने बताया कि इस मशीन को कंप्यूटर साइंस के विशेषज्ञों की सहायता से प्रोग्रामिंग करके बनाया जा सकता है। इस रोबोट मशीन की सहायता से फसल की लागत को कम करके उत्पादन की बढ़ाया जा सकता है। ये मशीन किसानों की आमदनी को बढ़ाने में

मददगार साबित हो सकती है। यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी और राष्ट्रीय आय व किसानों की प्रति व्यक्ति आय को भी बढ़ाने में मदद करेगी। विवि की कंप्यूटर साइंस फैकल्टी के साथ मिलकर इसकी प्रोग्रामिंग को लेकर काम करेंगे। उन्हें उम्मीद है कि इसके बेहतर परिणाम मिलेंगे। वीसी डा. रणपाल सिंह ने बधाई देते हुए कहा की इस प्रकार के डिजाइन को विव के इनक्यूबेशन सेंटर के द्वारा बनाने का प्रधास करेंगे। रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन ने कहा की यह विवि के लिए एक गौरव की बात है।

सीआरएसयू के प्राध्यापक की डिजाइन हुई पेटेंट

संवाद न्यूज एजेंसी

जीद। सीआरएसयू के अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार की एक डिजाइन पेटेंट हुई है। डिजाइन का विषय है फसल उत्पादन के निर्धारण में रोबोट। डॉ. विजय कुमार ने बताया कि इस मशीन को कंप्यूटर साइंस के विशेषज्ञों की सहायता से प्रोग्रामिंग करके बनाया जा सकता है।

इस रोबोट मशीन की सहायता से फसल की लागत को कम किया जा सकता और उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। यह रोबोट मशीन किसानों की आमदनी को बढ़ाने में मददगार साबित हो सकती है। यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएंगी और राष्ट्रीय आय तथा किसानों की प्रति व्यक्ति आय को भी बढ़ाने में मदद



डॉ. विजय कुमार को पेटेंट के साथ बधाई देते हुए कुलपति व अन्य। दिजिन

करेंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा की इस प्रकार की डिजाइन को विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर के द्वारा बनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा की इस प्रकार के पेटेंट विश्वविद्यालय की रैंकिंग को ऊपर उठाने में मददगार साबित होते हैं। इस

विश्वविद्यालय में सोशल साइंसेज का यह पहला पेटेंट है और विश्वविद्यालय का यह तीसरा पेटेंट है।

प्रोफेसर सिन्हा ने बधाई देते हुए कहा की इस प्रकार की उपलब्धियां विश्वविद्यालय को नेक की अच्छी रैंकिंग दिलवाने में भी मददगार रहेंगी।